

2023

लाडली पत्रिका

जुलाई ते सितम्बर

बिना हुनर के बुराई तो कोई की भी कर सकें हैं,
कोई की तारीफ करबे काजें जिगर चाहियै।



भजन:-

बाबा रे दुनिया मतलब की दुनिया में अपना कोई नहीं

1.चन्दा सूरज के साथी भौत हुये जब गहन परौ कोई नहीं
उडजा रे हंसा स्वर्ग लोग दुनिया में अपना कोई

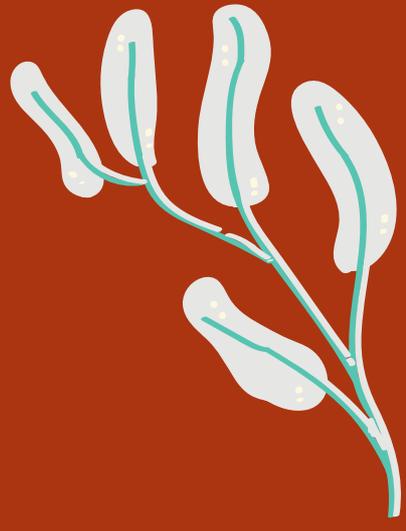
बाबा रे दुनिया मतलब की दुनिया में अपना कोई नहीं

2.गंगा यमुना के साथी भौत हुये, भंवर परी जब कोई नहीं
उडजा रे हंसा स्वर्ग लोग दुनिया में अपना कोई

बाबा रे दुनिया मतलब की दुनिया में अपना कोई नहीं

3.नरसी के साथी भौत हुये, भात भरौ जब कोई नहीं
उडजा रे हंसा स्वर्ग लोग दुनिया में अपना कोई

बाबा रे दुनिया मतलब की दुनिया में अपना कोई नहीं



लोकगीत:-

आई बागों में बहार

आई बागों में बहार, झूला झूले राधा प्यारी

झूले राधा प्यारी, हाँ झूले राधा प्यारी ॥ आई बागों में

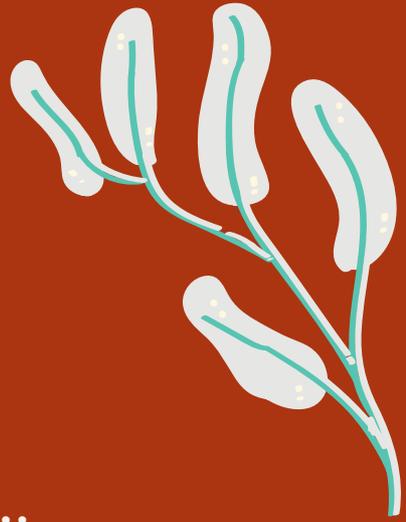
सावन की ऋतु है आई, घनघोर घटा नभ छाई

ठंडी-ठंडी पड़े फुहार, झूला झूले राधा प्यारी ॥ आई बागों में

हो मस्त मोर यूँ नाचे, मोहन की मुरलिया बाजे

कू-कू कोयल करे पुकार, झूला झूले राधा प्यारी ॥ आई बागों में

सब सज रहीं नार नबेली, नटखट करते अठखेली



बिरजभासा में कहावत:-

1. कहे कौ तौ बेटी-बेटाय ना तौ ईंट पत्थर।

अर्थ- अगर बेटी या बेटा अपने माता पिता का कहना मानता है तो बेटी-बेटा है। नहीं तो वह ईंट या पत्थर के समान है।

2. लिये कौ दिये ते ही पिन्ड छूटै।

अर्थ- अगर हम किसी से पैसा लेते हैं तो पैसा देने से उसका पीछा छूटता है अगर नहीं देते हैं तो वह बार बार घर पै आ जाता है।

3. जनानौ खानौ और खजानौ ये दुबके हुये होने चाहियै।

अर्थ- जनानी का घूँघट, भोजन और खजाना ये हमेशा दुबके हुये होने चाहिए।

4. भईया साथ कौ और पईसा हात कौ होनौ चाहियै।

अर्थ-भाई का साथ होना और पैसा हाथ में होना चाहियै समय का पता नहीं कौनसे समय पर जरूरत पड जाये।

बिरजभासा में सुवविचार:-

- मूरख ते बहस करके कोई भी माईस बुद्दीमान ना कह जा सकै।
- कोई की हंसी उड़ानौ बाय अपनौ बेरी बनानौ है।
- अच्छी दोस्ती बातन ते नांय बल्कि अपने करमन ते बनै है।
- साहस के बिना तुम जीवन में कछु ना कर सकै।
- अधूरौ ग्यान हमेसा खतरनाक रहबै है।
- अगर अवसर दस्तक ना दे तौ, खुदई ऐ दुवार बना लैनौ चाहियै।
- तुम्हारी सोच, कथन और करनी में तालमेल है तौ तुम सबते सुखी हैं
- जीवन खुद कौ खोजनौ नांय बल्कि हमें बनानौ है।